P.G. sem-IV (Agricultural Economics)

Traditional Agriculture. (पारंपरिक खेती)

पारंपरिक कृषि सदियों से हाथ से श्रम और साधारण औजारों, पशुओं के द्वारा फसल उगाने की विधि है। पारंपरिक खेती जैव विविधता, सांस्कृतिक विरासत और टिकाऊ खाद्य उत्पादन के लिए आज भी महत्वपूर्ण बनी है।

पारंपरिक कृषि उपकरण :—

(I) हल चलाना (Plough)
(II) हैरो (Harrow)
(III) कुपक (cultivator)
(IV) कटाई करने वाले मजदुर
(V) बुआई करने वाले मजदुर

पारंपरिक कृषि पद्धतियाँ — (Traditional farming methods)

(I) कृषि वानिकी :— (Agroforestry)

(II) फसल चक्र — (Crop Rotation)

(III) मिश्रित खेती (Mixed Cropping) :-

(IV) अंतरफसल खेती (Intercropping) :-

परंपरागत खेती के लाभ (Advantage of Traditonal Farming)

(I) सततता (sustainability)
(II) फसलों का विविधीकरण (Diversification of crops)
(III) पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही ज्ञान की परंपरा (Passed-Down Wisdom)

(iv) हानिकारक रसायनों का अभाव (NO Harmful chemical

(v) सरल और किफायती उपकरण (simple and Affordable Tools) :—

** परंपरागत खेती के नुकसान (Disadvantages of Traditional Farming)

① Traditional Farming takes around 15 hours to harvest

② Tradition farming needs costly crops due to time-consuming harvest.

③ Pesticides in traditional farming affect Plant health.

④ Higher risk of soil-borne diseases.